श्रवण कुमार जैन

दिनांक : 28-06-08

इम्पेक्ट इंडिया फाउंडेशन प्रा० लि०

द्वारा **नेल्लोर** में प्रायोजित

-:: नेत्र रोग- निवारण शिविर ::-

कार्यक्रम : जुलाई, 2008

के शुभ के अवसर पर **कर्नल रन्धीर विश्वेन** को सादर समर्पित ।

जैसे नारीतन की शोभा, होती है गहनों से ।
उसी तरह मुख-मंडल की, शोभा होती नयनों से ।।
ज्योति हीन जो हुए नयन, छाया जिनमें अंधियारा ।
उनको ज्योतिर्मय करने, आया इम्पेक्ट हमारा ।।

माना पैसा ही सब कुछ, यदि सब कुछ होता पैसा ।
आँखें फिर भी ना बिकतीं, क्यों कोई करता ऐसा ।।
मन्दिर-मस्जिद आँखों से, आँखों से ही गुरूद्वारा ।
नेत्र ज्योति का दोष सुधारक, है इम्पैक्ट हमारा ।।

बालक हो या वृद्ध कि चाहे, हो कोई नर नारी ।
आँखें चाहे जिसकी हों, इनका विकल्प है भारी ।।
गाँव-गाँव उपचार मुफ्त, करने का पावन नारा ।
भेदभाव बिन आँखों की, सेवा उद्देश्य हमारा ।।

रक्त दान हो जीते-जीते, नेत्र-दान मरते दम ।
स्पर्धा हो जन-जन में, हम नहीं किसी से भी कम ।।
धन्य कहो उस दाता को, दी तुम्हें नेत्र की सुविधा ।
तुम्हें दान करने में आँखें, फिर काहे की दुविधा ।।

मृत्यु पूर्व यदि नेत्र दान का, हो संकल्प तुम्हारा ।
"श्रवण" तुम्हें सम्मानित करने, को इम्पैक्ट हमारा ।।

रचयिता - श्रवण कुमार जैन
28-6-08

सौजन्य से :

मोनिका जैन - रेडियो एवं दूरदर्शन आर्टिस्ट, मो० : 9971444566
सुपुत्री श्री श्रवण कुमार जैन
डी-355, गली नं०- 13, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92, फोन न० : 22524515 (R)